

दानिय्येल की पुस्तक - क्रमांक अट्ठाईस

दीवारें

Jeff Pippenger

2023-12-23

नबूकदनेस्सर एडवेंटिज़्म की शुरुआत, संयुक्त राज्य अमेरिका की शुरुआत, प्रोटेस्टेंट सींग की शुरुआत और रिपब्लिकन सींग की शुरुआत का प्रतिनिधित्व करता है। बेलशस्सर इन सबके अंत का प्रतिनिधित्व करता है।

नबूकदनेस्सर 1798 से 1844 तक और परमेश्वर के अन्वेषणात्मक न्याय की शुरुआत तक, पहले और दूसरे स्वर्गदूतों के संदेशों के इतिहास का प्रतिनिधित्व करता है। उसकी गवाही दानिय्येल अध्याय एक के समानांतर है। बेलशस्सर 1989 से रविवार के कानून तक और परमेश्वर के कार्यकारी न्याय की शुरुआत तक, तीसरे स्वर्गदूत के संदेश के इतिहास का प्रतिनिधित्व करता है। उसकी गवाही दानिय्येल अध्याय एक से तीन तक के समानांतर है।

नेबूकदनेज़र 1798 में उत्तर राज्य इस्राएल पर आई "सात बार" की अवधि के अंत को चिह्नित करता है, जब पशु के हृदय के साथ जीवन बिताने के बाद उसका राज्य उसे पुनः लौटा दिया गया। उसकी गवाही 1844 में दक्षिण राज्य यहूदा पर आई "सात बार" की अवधि के अंत में होने वाले अन्वेषणात्मक न्याय के उद्घाटन तक जारी रहती है। उसकी गवाही में "घड़ी" शब्द पहले स्वर्गदूत के न्याय की घड़ी के संदेश का प्रतिनिधित्व करता है, और फिर वही शब्द उस संदेश के आगमन का भी प्रतिनिधित्व करता है। उसकी गवाही में यह "घड़ी" 1798 और 1844, दोनों को चिह्नित करती है, जो क्रमशः प्रथम कोप और अंतिम कोप के समापन का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बेलशस्सर का अंत उस रहस्यमय हस्तलिपि से चिह्नित है जो पच्चीस सौ बीस के बराबर ठहरती है। 'सात समय', चाहे वह 'घंटा', 'बिखराव', या 'पच्चीस सौ बीस' के रूप में प्रस्तुत हो, न्याय का प्रतीक है। निम्नोद पर दंड 'बिखराव' था, नबूकदनेस्सर पर 'सात समय', और बेलशस्सर पर 'पच्चीस सौ बीस'। जब नबूकदनेस्सर ने उन तीन धर्मनिष्ठ जनों का न्याय किया, तो उसने भट्टी को सामान्य से 'सात गुना' अधिक गरम करने का आदेश दिया।

'सात समय' का न्याय पहले संदेश के आगमन पर और तीसरे संदेश के आगमन पर चिह्नित किया जाता है। 1863 में मिलराइट एडवेंटिज़्म का अंत 'सात समय' के सिद्धांत के अस्वीकार से शुरू होता है, और एक सौ छब्बीस वर्ष बाद 1989 में, तीसरे स्वर्गदूत के इतिहास के लिए 'अंत का समय' आ पहुँचा। एक सौ छब्बीस 'सात समय' का प्रतीक है; इसलिए 1863 में पहले स्वर्गदूत के आंदोलन के अंत से लेकर 1989 में तीसरे स्वर्गदूत के आंदोलन की शुरुआत तक का अंतराल, प्रतीकात्मक एक सौ छब्बीस द्वारा, 'सात समय' के माध्यम से, पाटा गया है।

फिर भी दानिय्येल अध्याय पाँच में बेलशस्सर के पतन की गवाही यह सिखाती है कि "सात समय" का न्याय कोई नहीं देख सकता, यद्यपि वह "दीवार" पर लिखा हुआ है। गणतंत्रीय सींग के लिए, न्याय थॉमस जेफ़रसन की "चर्च और राज्य के पृथक्करण की दीवार" पर लिखा है, जिसे दानिय्येल के अध्याय पाँच में हटा दिया जाता है। सच्चे प्रोटेस्टेंट सींग के लिए, न्याय दो पवित्र चार्टों पर लिखा है, जो "दीवार" पर इसलिए टांगे गए हैं कि जो इसे पढ़े वह दौड़े। परन्तु लाओदिकिया के अंधेपन में वे शब्द अपठनीय हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों में, न्याय के शब्द यह दर्शाते हैं कि सच्चा प्रोटेस्टेंट और गणतंत्रीय दोनों सींग तराजू में तोले गए और कम पाए गए। बेलशस्सर की कहानी गणतंत्रीय सींग के लिए एक संदेश रखती है, जो दुनिया के राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व करता है।

"नबूकदनेस्सर और बेलशस्सर के इतिहास में, परमेश्वर आज के राष्ट्रों से बोलता है।" साइन्स ऑफ द टाइम्स, 20 जुलाई, 1891.

बेलशस्सर की कहानी में प्रोटेस्टेंट सींग के लिए भी एक संदेश है, जो दुनिया के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है।

"नबूकदनेस्सर और बेलशज्जर के इतिहास के माध्यम से परमेश्वर आज के लोगों से बोलता है।" बाइबल इको, 17 सितंबर, 1894.

बेल्शस्सर का पाप, पृथ्वी के पशु के दोनों सींगों के पाप का प्रतिनिधित्व करता है। दोनों में से किसी भी सींग का पाप यह है कि वे अपने आधारभूत सत्यों को, उन सत्यों का पूर्ण ज्ञान होते हुए भी, अस्वीकार करते हैं। रिपब्लिकन सींग संविधान के प्रकाश तथा उस प्रारंभिक इतिहास के प्रति उत्तरदायी है जब वह दैवीय दस्तावेज़ निर्मित हुआ था, परन्तु तब से उसे क्रमशः अस्वीकार किया जाता रहा है। जब राष्ट्र अजगर की तरह बोलेगा, तो कलीसिया और राज्य के पृथक्करण की प्रतीकात्मक दीवार हटा दी जाएगी। सच्चे प्रोटेस्टेंट सींग के लिए, पहले और दूसरे स्वर्गदूतों के संदेशों के इतिहास से प्राप्त वह प्रकाश—जब नींव स्थापित की गई थी—क्रमशः अस्वीकार किया गया है, और आगे भी बढ़ते-बढ़ते यह अस्वीकार बढ़ता रहेगा, जब तक कि अंततः परमेश्वर की व्यवस्था की "दीवार" भी अस्वीकार न कर दी जाए।

यहाँ नबी उन लोगों का वर्णन करता है जो, ऐसे समय में जब सामान्य रूप से लोग सत्य और धर्म से भटक गए हों, परमेश्वर के राज्य की नींव बने सिद्धांतों को पुनर्स्थापित करने का प्रयत्न कर रहे हैं। वे परमेश्वर की व्यवस्था में किए गए भंग के मरम्मतकर्ता हैं—वह दीवार जिसे उसने अपने चुने हुएों की रक्षा के लिए उनके चारों ओर खड़ी की है; और जिसकी न्याय, सत्य और पवित्रता की आज्ञाओं का पालन ही उनकी चिरस्थायी सुरक्षा है।

स्पष्ट शब्दों में भविष्यवक्ता उन शेष जन के उस विशेष कार्य की ओर संकेत करता है जो दीवार बनाते हैं। 'यदि तू विश्रामदिन से अपना पांव फिराए, मेरे पवित्र दिन पर अपनी इच्छा पूरी करने से, और विश्रामदिन को आनंद, यहोवा का पवित्र, सम्माननीय कहे; और तू उसे आदर दे, अपनी चाल न चले, अपनी इच्छा न खोजे, और अपने ही वचन न बोले; तब तू यहोवा में आनंद करेगा; और मैं तुझे पृथ्वी के ऊँचे स्थानों पर सवार कराऊँगा, और तुझे तेरे पिता याकूब की विरासत से पालूँगा; क्योंकि यहोवा के मुख ने यह कहा है।' यशायाह 58:13, 14। भविष्यवक्ताओं और राजाओं, 677, 678।

स्वर्गदूतों द्वारा विलियम मिलर को प्रकट की गई बाइबलीय पद्धति, परमेश्वर के भविष्यवाणी-संबंधी विधि-विधानों का प्रतिनिधित्व करती है, और प्राचीन इस्राएल के विपरीत, आधुनिक इस्राएल को केवल दस आज्ञाओं की व्यवस्था ही नहीं, बल्कि भविष्यवाणियों के भी संरक्षक ठहराया गया था।

परमेश्वर ने अपनी कलीसिया को इस समय, जैसे उसने प्राचीन इस्राएल को बुलाया था, पृथ्वी पर ज्योति बनकर खड़े रहने के लिए बुलाया है। सत्य के शक्तिशाली कुल्हाड़े, अर्थात् प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्वर्गदूतों के संदेशों के द्वारा, उसने उन्हें कलीसियाओं और संसार से अलग कर दिया है ताकि उन्हें अपने साथ पवित्र निकटता में ले आए। उसने उन्हें अपनी व्यवस्था के भण्डारी बना दिया है और इस समय के लिए भविष्यवाणी की महान सच्चाइयाँ उनके सुपुर्द की हैं। जैसे पवित्र वचन प्राचीन इस्राएल को सौंपे गए थे, वैसे ही ये भी संसार तक पहुँचाए जाने के लिए एक पवित्र न्यास हैं। प्रकाशितवाक्य 14 के तीन स्वर्गदूत उन लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो परमेश्वर के संदेशों के प्रकाश को स्वीकार करते हैं और उसके प्रतिनिधि बनकर पृथ्वी की लंबाई-चौड़ाई में चेतावनी सुनाने निकल पड़ते हैं। मसीह अपने अनुयायियों से कहता है: 'तुम जगत की ज्योति हो।' जो कोई भी यीशु को स्वीकार करता है, उससे कलवरी का क्रूस यह कहता है: 'देखो, आत्मा का मूल्य क्या है: "सारे जगत में जाकर हर एक सृष्ट प्राणी को सुसमाचार का प्रचार करो।"' किसी भी बात को इस काम में बाधा बनने की अनुमति नहीं दी जानी है। यह समय के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य है; यह अनन्तता जितना दूरगामी होना है। मनुष्यों के प्राणों के लिए उनके उद्धार के निमित्त जो बलिदान उसने दिया, उसमें यीशु ने जो प्रेम प्रकट किया, वही उसके सब अनुयायियों को प्रेरित करेगा। टेस्टिमोनीज़, खंड 5, 455.

"भविष्यवाणी की महान सच्चाइयाँ", जो स्वर्गदूतों द्वारा दी गई और विलियम मिलर के कार्य के माध्यम से स्थापित की गई, "संसार तक पहुँचाई जाने वाली एक पवित्र अमानत" है। दस आज्ञाओं का विधान, प्रकृति के नियम, स्वास्थ्य के नियम और भविष्यवाणी के अध्ययन के नियम, ये सब उसी महान विधिदाता द्वारा दिए गए थे, और एक आज्ञा को अस्वीकार करना सबको अस्वीकार करना है। विलियम मिलर को दी गई पद्धति के अस्वीकार ने एक क्रमिक विद्रोह

की शुरुआत की, जो अंततः एडवेंटिज़्म को सातवें दिन के सब्त को अस्वीकार करने तक ले जाएगा।

"प्रभु का इन अंतिम दिनों में अपने कहलाने वाले लोगों के साथ विवाद है। इस विवाद में उत्तरदायी पदों पर बैठे लोग नहेम्याह द्वारा अपनाए गए मार्ग के बिल्कुल विपरीत मार्ग अपनाएँगे। वे न केवल स्वयं सब्त की उपेक्षा और तिरस्कार करेंगे, बल्कि रीति-रिवाजों और परंपराओं के मलबे के नीचे उसे दबाकर दूसरों को उससे वंचित रखने का प्रयास करेंगे। कलीसियाओं में और खुले मैदानों में होने वाली बड़ी सभाओं में, उपदेशक लोगों पर सप्ताह के पहले दिन का पालन करने की आवश्यकता पर ज़ोर देंगे। समुद्र और धरती पर विपत्तियाँ हैं; और ये विपत्तियाँ बढ़ेंगी, एक आपदा के तुरंत बाद दूसरी आती जाएगी; और निष्ठावान सब्त-पालकों के छोटे से समूह को उन लोगों के रूप में दिखाया जाएगा जो रविवार की उपेक्षा करके परमेश्वर का क्रोध संसार पर ला रहे हैं।"

शैतान इस असत्य का प्रचार करता है ताकि वह संसार को अपने वश में कर सके। मनुष्यों को भ्रांतियों को स्वीकार करने के लिए विवश करना उसकी योजना है। वह सभी मिथ्या धर्मों के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भाग लेता है, और गलत सिद्धांतों को थोपने के अपने प्रयासों में किसी भी हद तक जाने से नहीं चूकेगा। धार्मिक जोश की आड़ में, उसकी आत्मा से प्रभावित मनुष्यों ने अपने सहमनुष्यों के लिए सबसे क्रूर यातनाएँ ईजाद की हैं, और उन पर सबसे भयानक कष्ट ढाए हैं। शैतान और उसके सहयोगियों में आज भी वही प्रवृत्ति है; और अतीत का इतिहास हमारे समय में फिर दोहराया जाएगा।

कुछ लोग ऐसे हैं जिन्होंने बुराई को अंजाम देने के लिए अपना मन और अपनी इच्छा दृढ़ कर ली है; अपने हृदय की अंधेरी गहराइयों में उन्होंने तय कर लिया है कि वे कौन-कौन से अपराध करेंगे। ये लोग स्वयं भ्रमित हैं। उन्होंने परमेश्वर के धर्म के महान नियम को ठुकरा दिया है, और उसकी जगह अपना एक मानदंड खड़ा कर लिया है, और अपने आपको इसी मानदंड से तुलना करके वे स्वयं को पवित्र ठहराते हैं। प्रभु उन्हें यह प्रकट करने की अनुमति देगा कि उनके हृदय में क्या है, और जो स्वामी उन्हें नियंत्रित करता है उसकी आत्मा के अनुसार आचरण करने देगा। वह उन्हें उसकी व्यवस्था के प्रति अपनी घृणा को उन लोगों के साथ अपने व्यवहार में दिखाने देगा जो उसकी माँगों के प्रति निष्ठावान हैं। वे उसी धार्मिक उन्माद की आत्मा से प्रेरित होंगे जिसने उस भीड़ को उकसाया था जिसने मसीह को क्रूस पर चढ़ाया था; कलीसिया और राज्य उसी भ्रष्ट संगति में एक हो जाएँगे।

"आज की कलीसिया ने प्राचीन काल के यहूदियों के पदचिह्नों का अनुसरण किया है, जिन्होंने अपनी परंपराओं के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं को परे रख दिया था। उसने विधि बदल दी है, अनन्त वाचा को तोड़ दिया है, और अब भी, जैसे तब, अहंकार, अविश्वास और धर्मत्याग ही परिणाम हैं। उसकी वास्तविक अवस्था मूसा के गीत के इन शब्दों में प्रकट की गई है: 'उन्होंने अपने आप को भ्रष्ट कर लिया है; उनका कलंक उसके बच्चों का कलंक नहीं है; वे कुटिल और टेढ़ी पीढ़ी हैं। हे मूर्ख और निर्बुद्धि लोगों, क्या तुम इस प्रकार प्रभु का प्रतिदान देते हो? क्या वह तुम्हारा पिता नहीं है जिसने तुम्हें खरीदा है? क्या उसने तुम्हें बनाया और स्थापित नहीं किया?'"

Review and Herald, 18 मार्च, 1884.

एडवेंटिज़्म द्वारा सत्य का अंतिम अस्वीकार रविवार के कानून के समय होता है, क्योंकि एडवेंटिज़्म प्राचीन इस्राएल के इतिहास को दोहराता है—जब "उसी धार्मिक उन्माद की आत्मा से प्रेरित होकर जिसने उस भीड़ को उकसाया था जिसने मसीह को क्रूस पर चढ़ाया; कलीसिया और राज्य उसी भ्रष्ट सामंजस्य में एक हो जाएँगे"। एडवेंटिज़्म का क्रमिक विद्रोह यहजेकेल अध्याय आठ में दर्शाया गया है, जहाँ चार क्रमशः बढ़ती घृणित बातें 1863 में आरंभ हुए एडवेंटिज़्म की चार पीढ़ियों को भविष्यसूचक रूप से चिह्नित करती हैं। अंतिम घृणित बात तब है जब यरूशलेम के नेता सूर्य के आगे झुकते हैं।

और वह मुझे यहोवा के भवन के भीतरी आँगन में ले आया, और देखो, यहोवा के मन्दिर के द्वार पर, मंडप और वेदी के बीच, लगभग पच्चीस पुरुष थे, जिनकी पीठ यहोवा के मन्दिर की ओर और मुख पूर्व की ओर थे; और वे पूर्व की ओर सूर्य की उपासना कर रहे थे। तब उसने मुझसे कहा, हे मनुष्य-पुत्र, क्या तूने यह देखा? क्या यहूदा के घराने के लिए यह तुच्छ बात है कि वे यहाँ ऐसे घृणित कर्म करते हैं? क्योंकि उन्होंने देश को हिंसा से भर दिया है, और लौटकर मुझे क्रोधित करने को उकसाते हैं; और देख, वे अपनी नाक पर डाली लगाते हैं। इस कारण मैं भी

क्रोध में ही व्यवहार करूँगा; मेरी आँख न तो बख्खोगी, न मैं तरस खाऊँगा; और चाहे वे ऊँची आवाज़ से मेरे कानों में पुकारें, तौभी मैं उनकी नहीं सुनूँगा। यहजेकल 8:16-18.

उस समय होने वाले न्याय का चित्रण बेलशज्जर के न्याय की "घड़ी" में मिलता है।

राजा बेलशज्जर ने अपने हज़ार सरदारों के लिए एक बड़ा भोज किया, और उन हज़ारों के सामने दाखमधु पिया। जब बेलशज्जर दाखमधु का स्वाद ले रहा था, तब उसने आज्ञा दी कि सोने और चाँदी के वे पात्र लाए जाएँ जिन्हें उसके पिता नबूकदनेस्सर यरूशलेम में जो मंदिर है उससे निकाल लाया था, ताकि राजा, उसके सरदार, उसकी पत्नियाँ और उसकी उपपत्नियाँ उनमें पियें। तब वे सोने के पात्र लाए गए जो यरूशलेम में परमेश्वर के घर के मंदिर से निकाले गए थे; और राजा, उसके सरदार, उसकी पत्नियाँ और उसकी उपपत्नियाँ उनमें पीने लगे। वे दाखमधु पीते रहे, और सोने, चाँदी, पीतल, लोहे, लकड़ी और पत्थर के देवताओं की स्तुति करने लगे। उसी घड़ी एक मनुष्य के हाथ की उँगलियाँ प्रकट हुईं, और राजमहल की दीवार के पलस्तर पर, दीवट के सामने, लिखने लगीं; और राजा ने उस हाथ का वह भाग देखा जो लिख रहा था। तब राजा का मुख रंग बदल गया, और उसके विचार उसे व्याकुल करने लगे, यहाँ तक कि उसकी कटि के जोड़ ढीले हो गए, और उसके घुटने आपस में टकराने लगे। राजा ने ज़ोर से पुकारकर कहा कि ज्योतिषियों, कसदियों और शकुन बतानेवालों को भीतर लाया जाए। और राजा ने बाबुल के बुद्धिमानों से कहा, जो कोई इस लेख को पढ़कर उसका अर्थ मुझे बताएगा, उसे कर्मसी वस्त्र पहनाया जाएगा, उसके गले में सोने की जंजीर डाली जाएगी, और वह राज्य में तीसरा शासक होगा। तब राजा के सब बुद्धिमान भीतर आए; पर वे उस लेख को न पढ़ सके, न उसका अर्थ राजा को बता सके। तब राजा बेलशज्जर बहुत घबरा गया, और उसका मुख बदल गया, और उसके सरदार चकित हो गए। दानिय्येल 5:1-9.

उसी "घड़ी" में जब बेलशज्जर का न्याय आ पहुँचा, शद्रक, मेशक और अबेदनगो को उस भट्टी में डाल दिया गया जिसे सामान्य से "सात गुना" अधिक गरम किया गया था।

अब यदि तुम तैयार हो कि जिस समय तुम कॉर्नेट, बाँसुरी, हार्प, सैकबट, साल्टरी और डल्लिसमर, और सब प्रकार के संगीत की ध्वनि सुनो, तो गिरकर उस प्रतिमा की आराधना करो जिसे मैंने बनवाया है—तो अच्छा; पर यदि तुम आराधना न करो, तो उसी घड़ी तुम्हें जलती हुई धधकती भट्टी के बीच में डाल दिया जाएगा; और वह कौन सा परमेश्वर है जो तुम्हें मेरे हाथ से छुड़ा सके? शद्रक, मेशक और अबेदनगो ने राजा से उत्तर देकर कहा, हे नबूकदनेस्सर, इस विषय में तुझे उत्तर देने की हमें आवश्यकता नहीं है। यदि ऐसा हो, तो हमारा परमेश्वर जिसकी हम सेवा करते हैं, हमें जलती हुई धधकती भट्टी से छुड़ाने में समर्थ है, और हे राजा, वह हमें तेरे हाथ से भी छुड़ा लेगा। पर यदि नहीं, तो हे राजा, यह जान ले कि हम तेरे देवताओं की सेवा नहीं करेंगे, और उस सोने की प्रतिमा की आराधना नहीं करेंगे जिसे तू ने खड़ा किया है। तब नबूकदनेस्सर क्रोध से भर गया, और शद्रक, मेशक और अबेदनगो के विरुद्ध उसके मुख का भाव बदल गया; इस कारण उसने आज्ञा दी कि भट्टी को जितना सामान्यतः गरम किया जाता था, उससे सात गुना अधिक गरम किया जाए। दानिय्येल 3:15-19.

बेलशस्सर के लिए न्याय का "घंटा" वही "घंटा" है जो शद्रक, मेशक और अबेदनगो के लिए न्याय का है, और दोनों प्रसंगों में "सात गुना" को उस न्याय के प्रतीक के रूप में दर्शाया गया है। तीनों वीर उन दो गवाहों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो रविवार के कानून के समय महान भूकंप के "घंटे" में ध्वज-चिह्न के रूप में बादलों के साथ स्वर्ग में ऊपर उठते हैं, और बेलशस्सर उसी "घंटे" में पृथ्वी के पशु पर लाए जाने वाले राष्ट्रीय विनाश के न्याय का प्रतिनिधित्व करता है।

अगले लेख में हम बेलशज्जर पर हुए न्याय का अध्ययन जारी रखेंगे।

हमारे लोगों में भक्ति के निम्न स्तर के संबंध में मेरा मन अत्यन्त व्याकुल है। और जब मैं कफरनहूम पर सुनाए गए धिक्कारों के बारे में सोचता हूँ, तो मैं विचार करता हूँ कि जो लोग सत्य को जानते हैं, फिर भी सत्य के अनुसार नहीं चले, बल्कि अपनी ही जलायी हुई आग की चिंगारियों के प्रकाश में चले, उन पर कितना अधिक

भारी दण्डादेश आएगा। रात्रि की घड़ियों में मैं लोगों को बड़े गंभीर ढंग से संबोधित करता हूँ, उनसे विनती करते हुए कि वे अपनी ही अंतरात्मा से पूछें: मैं क्या हूँ? क्या मैं मसीही हूँ, या नहीं? क्या मेरा हृदय नया किया गया है? क्या परमेश्वर के परिवर्तनकारी अनुग्रह ने मेरे चरित्र को ढाल दिया है? क्या मैंने अपने पापों पर सच्चा पश्चाताप किया है? क्या वे स्वीकार किए गए हैं? क्या वे क्षमा किए गए हैं? क्या मैं मसीह के साथ एक हूँ, जैसे वह पिता के साथ एक है? क्या मैं उस से घृणा करता हूँ जिसे मैं पहले प्रेम करता था? क्या अब मैं उस से प्रेम करता हूँ जिससे मैं पहले घृणा करता था? क्या मैं मसीह यीशु के ज्ञान की श्रेष्ठता के लिए सब बातों को हानि समझता हूँ? क्या मुझे यह अनुभव होता है कि मैं यीशु मसीह की मोल देकर खरीदी हुई संपत्ति हूँ, और यह कि हर घड़ी मुझे अपने आप को उसकी सेवा के लिए समर्पित करना चाहिए?

हम महान और गंभीर घटनाओं की दहलीज़ पर खड़े हैं। सम्पूर्ण पृथ्वी प्रभु की महिमा से आलोकित होने वाली है, जैसे जल महासमुद्र की खाइयों को ढँक लेता है। भविष्यवाणियाँ पूरी हो रही हैं, और हमारे सामने तूफानी समय है। पुराने विवाद, जो लंबे समय से मानो शांत पड़े थे, फिर जाग उठेंगे, और नए विवाद भी उत्पन्न होंगे; नया और पुराना मिश्रित होगा, और यह बहुत शीघ्र घटित होगा। स्वर्गदूत चारों पवनों को थामे हुए हैं, ताकि वे न चलें, जब तक कि संसार को चेतावनी देने का निर्धारित कार्य पूरा न हो जाए; परन्तु आँधी इकट्ठी हो रही है, बादल घिरते जा रहे हैं, संसार पर टूट पड़ने को तैयार हैं, और बहुतों के लिए यह रात के चौर के समान होगा।

बहुतों ने मुस्कुराया और विश्वास नहीं किया, जब हमने उन्हें बीस-तीस वर्ष पहले बताया कि रविवार को सारे संसार पर थोप दिया जाएगा, और उसके पालन के लिए एक कानून बनाया जाएगा, और विवेक पर जोर-जबरदस्ती की जाएगी। हम उसे पूरा होते हुए देख रहे हैं। भविष्य के विषय में परमेश्वर ने जो कुछ कहा है वह निश्चय ही घटित होगा; उसने जो कुछ कहा है, उनमें से एक भी बात निष्फल नहीं होगी। प्रोटेस्टेंटवाद अब खाई के पार हाथ बढ़ाकर पोपतंत्र से हाथ मिला रहा है, और एक गठजोड़ बनाया जा रहा है ताकि चौथी आज्ञा के सब्त को पैरों तले रौंदकर दृष्टि से ओझल कर दिया जाए; और पाप का मनुष्य, जिसने शैतान के उकसावे पर इस नकली सब्त—पोपतंत्र की इस संतान—की स्थापना की, उसे ऊँचा उठाकर परमेश्वर के स्थान पर बैठाया जाएगा।

मुझे यह दर्शाया गया है कि समस्त स्वर्ग घटनाओं के क्रम के खुलने को देख रहा है। पृथ्वी पर परमेश्वर के शासन से संबंधित महान और दीर्घकालीन विवाद में एक संकट प्रकट होने वाला है। कुछ महान और निर्णायक होने जा रहा है, और वह बहुत शीघ्र। यदि कोई विलंब हुआ, तो परमेश्वर के चरित्र और उसके सिंहासन पर आंच आएगी। स्वर्ग का शस्त्रागार खुला है; परमेश्वर का समूचा ब्रह्मांड और उसकी सारी सज्जा तैयार है। न्याय को बस एक शब्द कहना है, और तब पृथ्वी पर परमेश्वर के कोप के भयानक दृश्य प्रकट होंगे। वहाँ आवाज़ें और गर्जनाएँ और बिजली की चमकें और भूकम्प होंगे, और सार्वभौमिक उजाड़ होगा। स्वर्ग के ब्रह्मांड की हर गतिविधि संसार को उस महान संकट के लिए तैयार करने हेतु है।

तीव्रता हर सांसारिक तत्व पर अधिकार कर रही है; और जो लोग महान ज्योति और अद्भुत ज्ञान पा चुके हैं, उनमें से बहुत-से अपने दीपकों के साथ, पर पात्रों में बिना तेल वाली, पाँच सोई हुई कुँवारियों के समान हैं—ठंडे, असंवेदनशील, और कमज़ोर, क्षीण पड़ती हुई भक्ति के साथ। जबकि नीचे से एक नया जीवन फैल रहा है और फूट रहा है तथा शैतान के सभी तंत्रों को अंतिम महान संघर्ष और टकराव की तैयारी में तेजी से जकड़ रहा है, उसी समय ऊपर से नई ज्योति, नया जीवन और नई सामर्थ्य उतर रही है और परमेश्वर के उन लोगों पर अधिकार कर रही है जो अपराधों और पापों में—जैसा कि अब बहुत से हैं—मृत नहीं हैं। जो लोग अब हमारी आँखों के सामने घटित हो रही बातों से यह देखेंगे कि शीघ्र ही हम पर क्या आने वाला है, वे मानव-निर्मित उपायों पर अब भरोसा नहीं करेंगे, और अनुभव करेंगे कि पवित्र आत्मा को मान्यता दी जानी चाहिए, ग्रहण किया जाना चाहिए, और लोगों के सामने प्रस्तुत किया जाना चाहिए, ताकि वे परमेश्वर की महिमा के लिए संघर्ष करें, और जीवन की गलियों और राजमार्गों में हर जगह काम करें, अपने सहमानवों की आत्माओं के उद्धार के लिए। एकमात्र चट्टान जो निश्चित और अटल है, वह युगों की चट्टान है। केवल वे ही सुरक्षित हैं जो इसी चट्टान पर अपना निर्माण करते हैं।

जो अब शारीरिक मन वाले हैं, परमेश्वर के वचन में और उसकी आत्मा की गवाहियों के द्वारा दी गई चेतावनियों के बावजूद, वे उद्धार पाए होंगे के पवित्र परिवार के साथ कभी एक नहीं होंगे। वे इन्द्रियसुखी हैं, विचारों में पतित, और परमेश्वर की दृष्टि में घृणित हैं। वे सत्य के द्वारा कभी पवित्र नहीं किए गए हैं। वे दिव्य स्वभाव के सहभागी नहीं हैं; उन्होंने न कभी अपने स्व को, और न ही इस संसार को उसकी आसक्तियों और वासनाओं सहित, पराजित किया है। ऐसे लोग हमारी कलीसियाओं में हर ओर हैं, और परिणामस्वरूप कलीसियाएँ कमजोर, रुग्ण और मरने को तैयार हैं। अब कोई ढुलमुल गवाही न दी जाए, परन्तु एक निर्णायक, तीक्ष्ण गवाही दी जाए, जो हर अशुद्धता को डाँटे और यीशु को महिमा दे। हमें एक प्रजा के रूप में अपेक्षा की अवस्था में होना चाहिए, काम करते हुए, प्रतीक्षा करते हुए, जागते हुए और प्रार्थना करते हुए।

मसीह के दूसरे आगमन की इस धन्य आशा को, उसकी गंभीर वास्तविकताओं समेत, लोगों के सामने बार-बार प्रस्तुत किया जाना चाहिए; हमारे प्रभु यीशु के शीघ्र ही अपनी महिमा में प्रकट होने की प्रतीक्षा करना, सांसारिक वस्तुओं को शून्यता और निरर्थकता समझने की ओर ले जाएगा। समस्त सांसारिक सम्मान या प्रतिष्ठा का कोई मूल्य नहीं है, क्योंकि सच्चा विश्वासी संसार से ऊपर जीवन जीता है; उसके पग स्वर्ग की ओर अग्रसर हैं। वह एक तीर्थयात्री और परदेसी है। उसकी नागरिकता स्वर्ग में है। वह मसीह की धार्मिकता की सूर्य-किरणों को अपनी आत्मा में संचित कर रहा है, ताकि वह उस नैतिक अंधकार में, जिसने संसार को ढक रखा है, एक जलता और चमकता हुआ प्रकाश बन सके। उसमें कैसा दृढ़ विश्वास, कैसी जीवंत आशा, कैसा उत्कट प्रेम, परमेश्वर के लिए कैसा पवित्र, समर्पित उत्साह दिखाई देता है, और उसके और संसार के बीच कितना स्पष्ट भेद! 'इसलिए जागते रहो और सदा प्रार्थना करते रहो, कि जो बातें होने वाली हैं उनसे बच निकलने और मनुष्य के पुत्र के सामने खड़े होने योग्य ठहरो।' 'इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस घड़ी आएगा।' 'अतः तुम भी तैयार रहो; क्योंकि जिस घड़ी तुम सोचते भी नहीं, उसी घड़ी मनुष्य का पुत्र आता है।' 'देखो, मैं चोर की नाई आता हूँ। धन्य है वह जो जागता रहता है और अपने वस्त्रों को संभाले रखता है।' पुस्तिकाएँ, 38-40.